केन्द्रीय विद्यालय नं 1 देवलाली

विद्यालय की शैक्षिक उपलब्धि और कक्षा 10वीं व 12वीं के परीक्षा परिणाम लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु विद्यालय स्तर पर की जा रही कार्यवाही की रिपोर्ट ।

<u>सोपान 1:-</u> सत्र 2023-2024 के लिए विषयानुसार परिणाम प्रतिशत व निष्पादन सूचकांक निश्चित करना ।

<u>कक्षा : 10वीं</u>

क्रम संख्या	विषय	सफलता प्रतिशत	निर्धारित निष्पादन सूचकांक(PI) **सत्र 2023-2024**
1	हिन्दी	100	80
2	अँग्रेजी	100	75
3	गणित	100	75
4	विज्ञान	100	65
5	सामाजिक विज्ञान	100	78
6	संस्कृत	100	78

<u>कक्षा 12वीं</u>

क्रम संख्या	विषय	सफलता प्रतिशत	निर्धारित निष्पादन सूचकांक(PI) **सत्र 2023-2024**
1	हिन्दी	100	65
2	अँग्रेजी	100	70
3	गणित	100	65
4	भौतिक विज्ञान	100	75
5	रसायन विज्ञान	100	75
6	जीव विज्ञान	100	85
7	अर्थशास्त्र	100	65
8	लेखाशास्त्र	100	77
9	भूगोल	100	77
10	कम्प्युटर विज्ञान	100	78
11	IP	100	60
12	इतिहास	100	75
13	व्यवसायिक अध्ययन	100	77
14	राजनीति विज्ञान	100	75

<u>सोपान 2:-</u>सफलता प्रतिशत के लक्ष्य प्राप्त करने के लिए किए गए कार्य

(I) मासिक परीक्षा,अर्ध वार्षिक परीक्षा और प्रथम प्री-बोर्ड परीक्षा के आधार पर विषयवार लघु उपलब्धता प्राप्त छात्रों की सूची तैयार कर छात्रों की मुख्य कमी की पहचान की गयी है ।

(II) लघु उपलब्धता प्राप्त छात्रों के लिए आभासी उपचारात्मक/ सुधारात्मक कक्षाओं की व्यवस्था की गयी है ।अध्यापक अपनी व बच्चों की सुबिधा के अनुसार कक्षाएं ले रहे हैं।

(III) कक्षा शिक्षण के समय भी इन छात्रों का नाम लेकर प्रश्न पूछना और उत्साहित /प्रेरित करने पर विशेष ध्यान दिया जाता है ।

(IV) ऐसा गृह कार्य दिया जाता है जो ये छात्र कर सकें और कम से कम 50-60 प्रतिशत अंक ला सके।

(V) पिछले 5 वर्ष के प्रश्न पत्रों का अभ्यास कराया जा रहा है।

(VI) प्री बोर्ड परीक्षाओं में की गयी त्रुतिओं से छात्रों को अवगत कराया जा रहा है और अध्यापक त्रुटी सुधार के लिए भी कक्षा में चर्चा करते रहते हैं।

<u>सोपान 3:-</u> निष्पादन सूचकांक(PI) के लक्ष्य प्राप्त करने के लिए किए गए कार्य

अ.प्रथम प्री-बोर्ड परीक्षा के आधार पर विषयवार उच्च उपलब्धता प्राप्त छात्रों की सूची तैयार की गयी है और अध्यापक छात्रों के Grey क्षेत्र की पहचान कर उनको उचित कार्य दे रहें हैं ।

ब. उच्चउपलब्धता प्राप्त छात्रों के लिए HOTS(High Order Thinking Skill) प्रश्नों का गृह कार्य दिया जाता है जिससे छात्रों की skill में और सुधार हो सके ।

स. कक्षा शिक्षण के समय भी इन छात्रों को चुनौतीपूर्ण(challenging) प्रश्न दिया जाता है ।

द. ऐसा गृह कार्य देना जो छात्रों को 90 % से अधिक अंक दिला सके प्रतिशत अंक ला सके।

<u>सोपान 4:-</u>अविभावक शिक्षक बैठक का आयोजन

(अ) समय- समय (कम से कम माह में एक दिन) पर आभासी (ऑनलाइन) PTM निश्चित किया जाता है और अभिभावकों तथा छात्रों की Counseling की जाती है जिसमे प्राचार्य ,उप प्राचार्य ,कक्षाध्यापक और विषयाध्यापक सभी शामिल होते हैं ।

(ब) प्राचार्य ,उप प्राचार्य ,कक्षाध्यापक और विषयाध्यापक सभी छात्रों को सदैव Motivate भी करते रहते हैं ।

<u>सोपान 5:-</u> शिक्षकों का अभिप्रेरण

प्राचार्य व उप प्राचार्य समय समय पर विषयाध्यापकों को शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावशील बनाने व निर्धारित परिणाम प्रतिशत व निष्पादन सूचकांक प्राप्त करने का प्रयास हेतु प्रेरित करते रहते हैं।

प्राचार्य